पाठ - 2
रमज़ान शुरु होने के प्रमाण

الدرس الثاني - هندي
ثبوت دخول رمضان

रमज़ान महीने की शुरुआत के लिए दो में से किसी एक चीज़ का होना ज़रूरी है।
1. रमज़ानुल मुबारक का चाँद देखना। यदि रमज़ानुल मुबारक का चाँद दिखायी दे दे तो रोज़ा रखना अनिवार्य होगा अल्लाह के रसूल सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फ़रमाया:

إِذَا رَأَيْتُمُ الْهِلاَلَ فَصُومُوا، وَإِذَا رَأَيْتُمُوهُ فَأَفْطِرُوا

जब तुम चाँद देखो तो रोज़ा रखो और जब चाँद देखो तो रोज़ा तोड़ो। (बुखारी 1900, मुस्लिम 1080)

रमज़ानु मुबारक के चाँद देखने के लिए एक आदिल और ईमानदार गवाह ही काफ़ी है। अलबत्ता ईद के चाँद के लिए दो आदिल गवाहों का होना ज़रूरी है।
2. शाबान महीना के तीस दिन पूरे होना। यदि शाबान का महीना पूरा हो गया तो अगला दिन रमज़ान का पहला दिन होगा। क्योंकि अल्लाह के रसूल सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का फ़रमान है: فَإِنْ غُمَّ عَلَيْكُمْ فَأَكْمِلُوا العِدَّةَ ثَلاَثِينَ

यदि आसमान में बादल छा जाए तो तीस की संख्या पूरा करो। (मुत्तफ़क़ अलैह, बुखारी 1907, मुस्लिम 1081)

रोज़ा छोड़ने की अनुमति

1. **ऐसा बीमार व्यक्ति** जिसके स्वस्थ होने की उम्मीद हो और उस पर रोज़ा रखना मुश्किल हो रहा हो तो उसके लिए रोज़ा छोड़ना जायज़ है। अलबत्ता वह जितने दिनों का रोज़ा छोड़ेगा, बाद में उसकी क़ज़ा करेगा। और जिस की बीमारी बराबर रहने वाली हो और उसके अच्छे होने की उम्मीद न हो तो उसपर रोज़ा ज़रूरी नहीं है। अलबत्ता हर दिन के बदले डेढ़ किलो चावल या उस जैसी दूसरी चीज़ एक मिस्कीन को खिलाएगा। या ऐसा भी कर सकता है कि वह खाना बनाकर जितने दिनों का रोज़ा छोड़ा है, उतने मिस्कीनों को खाना खिला दे।
2. **मुसाफ़िर**: मुसाफिर जब अपने घर से निकलेगा, यदि रुकने और रहने की नीयत न हो, तो वापसी तक वह रोज़ा छोड़ सकता है।
3. यदि गर्भवती महिला हो, या दूध पिला रही हो, और उसे यह आशंका हो कि नुक़्सान हो सकता है, तो उसके लिए रोज़ा छोड़ देना जायज़ है। जब कारण समाप्त हो जाए तो जितने दिनों का रोज़ा छोड़ा है, उतने दिनों का क़ज़ा करेगी।
4. **बूढ़े लोगों** को, जो रोज़ा रखने का सामर्थ्य न रखते हों, रोज़ा छोड़ देने की अनुमति है। ऐसे व्यक्ति पर क़ज़ा भी वाजिब नहीं है बल्कि वह हर दिन के बदले एक मिस्कीन को खाना खिलाएगा।